अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "वंचितों तक पहुंच" (Reaching the Unreached)

संगोष्ठी के परिप्रेक्ष्य

शिक्षा मानव जीवन का आधार स्तम्भ है। शिक्षा मानव को आंतरिक शक्ति प्रदान करती है और शोषण एवं गरीबी से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है। शिक्षा व्यक्ति की अंतर्निहित शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक शक्तियों के विकास की एक व्यवस्थित विधा है। शिक्षा एवं शोध का समाज को उत्कृष्ट बनाने तथा नई दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षा को सर्वव्यापी बनाने की सोच, और यह विचार कि वंचित तबकों तक इसकी पहुंच हो, शिक्षा और विकास के क्षेत्र में कार्य कर रहे सभी की यह चिंता और चिंतन का विषय है।

उन समूहों के, जो अब तक अपने ही उपायों द्वारा जी रहे हैं (महिलाएँ, मजदूर वर्ग, ग्रामीण नागरिक, आदिवासी, दलित और समाज के हाशिए पर रहने वाले समूह) तक शिक्षा की पहुंच को सुगम एवं सरल बनाने के लिए यह महत्वपूर्ण हो गया है कि शिक्षा पर होने वाले विमर्श को उनकी वास्तविकताओं के सन्दर्भ में रखकर देखा जाय। एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह उठता है कि शिक्षा की वंचित तबकों तक पहुंच क्या है? और वास्तविकता के संदर्भ में शिक्षा से इन्हें क्या हासिल होता है?

भारत गांवों का देश है। यहॉ अधिकांश लोग ग्रामीणांचल में निवास करते हुए कृषि, मजदूरी, या अन्य कार्य जीविकोपार्जन हेतु करते हैं।

गंव से लेकर शहरी तबके तक में वंचित मजदूर वर्ग, दलित पिछड़े और सुदूर क्षेत्रों में आदिवासी एवं वनवासी मिल जाएंगे जिनतक अभी शिक्षा की रोशनी नहीं पहुंच पाई है, यदि पहुंची भी है तो उच्च शिक्षा तक उनकी पहुंच नगण्य है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति :–

भारत सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की घोषणा की है। भारत के ग्रामीण एवं वंचित तबकों तक शिक्षा की पहुंच के लिए नीति और नीति लागू किए जाने की व्यवस्था और इसके रोडमैप को सरल बनाया गया है।

ग्रामीण क्षेत्रों तक शिक्षा की स्थिति और पहुंच को स्थापित करने के लिए नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय भी समर्पित है। संगम की पावन भूमि, प्रयागराज के दुर्वासा ऋषि आश्रम के समीप विश्वविद्यालय का परिसर मनोरम प्राकृतिक छटा और ग्रामीणांचल के मध्य स्थित है।

वंचित एवं ग्रामीण क्षत्रों तक शिक्षा की निर्बाध पहुंच स्थापित करने के लिए कृतसंकल्प नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय ने 29–30 सितम्बर 2020 को द्विदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी –'**वंचितों तक पहुंच...!' (Reaching the Unreached...!)** का आयोजन किया है।

विश्व गुरु भारत : संकल्पना और राष्ट्रीय शिक्षा नीति केन्द्रीय विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी में भारतीय शिक्षा व्यवस्था, नई शिक्षा नीति 2020 और वंचित तथा ग्रामीण क्षेत्रों तक शिक्षा की पहुंच पर ख्यातिलब्ध विद्वानों और विषय विशेषज्ञों द्वारा विमर्श किया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी वैश्विक संदर्भ में भारतीय शिक्षा, शिक्षानीति –2020 तथा भारत के विश्वगुरू संदर्भों पर चिन्तन और विमर्श का अभिनव अवसर होगा। संबंधित एक और अभिनव प्रयोग – 'सेमिनार सह वेबिनार' संयुक्त माडल होगा।